Tender Heart High School, Sector - 33-B, Chandigarh.

कक्षा - दसवीं
दिनांक 25 अप्रैल, 2024

विषय - हिन्दी साहित्य
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : साहित्य सागर

पाठ-10 'दो कलाकार' (कहानी) लेखिका - मन्नू भण्डारी

निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

" कहा तो मेरे !" अरुणा ने हँसते हुए कहा ।
अरे बता न, मुझे ही बेवकूफ बनाने चली हैं।"

प्रश्न (i) "कहा तो मेरे !" — वाक्य का संदर्भ स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर - विदेश जाकर चित्रा ने तन-मन से लगकर अपनी कला को निखारा । विदेश में उसके चित्रों की धूम मच गई । अपनी पढ़ाई पूरी करके जब वह स्वदेश लौटी तो दिल्ली में उसके चित्रों की भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । उद्घाटन के लिए चित्रा को ही बुलाया गया । उस भीड़-भाड़ में चित्रा की भेंट अरुणा से हो गई । अरुणा के साथ दो बच्चे थे एक लड़का और एक लड़की । उन बच्चों को देखकर चित्रा ने अरुणा से पूछा कि ये बच्चे किसके हैं तब अरुणा ने बताया कि ये दोनों मेरे बच्चे हैं। लेकिन चित्रा को अरुणा की इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा था, इसलिए जैसे ही उसे एकांत मिला, उसने अरुणा से बच्चों के बारे में फिर से पूछा कि वह सच-सच बताए कि ये प्यारे-प्यारे बच्चे किसके हैं ? चित्रा के इसी प्रश्न के उत्तर में अरुणा ने कहा - "कहा तो मेरे।"

प्रश्न (ii) "मुझे ही बेवकूफ़ बनाने चली हैं" — वाक्य का संदर्भ स्पष्ट करते हुए बताइए कि वक्ता को श्रोता की किस बात पर विश्वास नहीं हुआ और क्यों ?

उत्तर - चित्रा ने अरुणा के साथ दो बच्चों को देखा तो अरुणा से उनके बारे में पूछा कि तुम्हारे साथ ये बच्चे हैं, ये किसके हैं । तब अरुणा ने उन्हें अपने बच्चे बताकर चित्रा से उन्हें मिलवाया । लेकिन उसके मन में ये ही विचार बार-बार आ रहा था कि ये बच्चे अरुणा

के कैसे हो सकते हैं। वह सोच में पड़ गई थी कि जब चित्रा अरुणा को भारत में छोड़कर विदेश गई थी तब उसकी शादी भी नहीं हुई थी। अब तीन साल बाद अरुणा के साथ दो बच्चे- आठ वर्ष की लड़की और दस वर्ष का लड़का- देखकर चित्रा को अरुणा की बात पर विश्वास नहीं हो पा रहा था कि ये दोनों बच्चे अरुणा के बच्चे कैसे हो सकते हैं।

प्रश्न (iii) अरुणा की कौन-सी बात सुनकर चित्रा की आँखें फैली की फैली रह गईं ?

उत्तर - चित्रा में अपनी कला के प्रति लगन है और अरुणा की सच्चि परोपकार तथा मानव-सेवा के कार्यों में है। दोनों के विचार अलग-अलग होने पर भी दोनों अभिन्न सहेलियाँ हैं। चित्रा को जब यह पता चला कि अरुणा ने जिन दो बच्चों को अपनाया है, वे बच्चे और कोई नहीं उसी भिखारिन के बच्चे हैं, जो गर्ग स्टोर के सामने पेड़ के नीचे बैठी रहती थी और जिस दिन चित्रा अपने घर जा रही थी, उस दिन वह मर गई थी। उसके दोनों बच्चे उसके मृत शरीर से चिपककर रो रहे थे। वे इतनी बुरी तरह से रो रहे थे कि उनको रोते देख चित्रा स्वयं को रोक नहीं पाई थी उस करुण दृश्य का एक रफ़-सा स्केच बना लाई। इसी स्केच के आधार पर बनाए गए चित्र के द्वारा उसने शोहरत हासिल की है, - यह जानकर उसकी आँखें फैली की फैली रह गईं।

प्रश्न (iv) चित्रा को किस चित्र से प्रसिद्धि मिली थी ? चित्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर - चित्रा को जिस चित्र से प्रसिद्धि मिली थी, वह चित्र उसी भिखारिन का था जो गर्ग स्टोर के सामने एक पेड़ के नीचे अपने दो बच्चों के साथ अक्सर बैठी रहा करती थी। जिस दिन अरुणा की सखी चित्रा होटल से अपने घर जा रही थी, उस समय वह अपने गुरुदेव से मिलकर लौट रही थी तब उसे पता चला कि वह भिखारिन कुपोषण के कारण मर गई थी और उसके दोनों बच्चे उसके मृत शरीर से लिपटकर बुरी तरह रो रहे थे; इस दृश्य में जाने क्या था कि चित्रा ने उसका एक रफ़ स्केच बना डाला। इसी स्केच के आधार पर उसने विदेश पहुँचकर चित्र बनाया और इस चित्र को शीर्षक दिया 'अनाथ'। उसके इस चित्र

ने विदेश में अनेक प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार और प्रसिद्धि प्राप्त की थी। जिसने भी इस चित्र को देखा, देखता ही रह गया। चित्रा जब भारत लौटी तो दिल्ली में भी उसके चित्रों की प्रदर्शनी का विराट आयोजन किया गया।

[अंतिम पृष्ठ]